मधुबन

दिनांक: 1 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

संगमयुग की विशेष शक्ति साइलेन्स की शक्ति है, साइलेन्स में रहने से डबल लाइट फरिश्ता स्थिति सहज बन जाती है। इस स्थिति में कोई भी कार्य का बोझ नहीं रहता, इसके लिए कर्म करते बीच-बीच में निराकारी और फरिश्ता स्वरूप की ड्रिल करते रहो। जैसे ब्रह्मा बाप को साकार रूप में देखा, सदा डबल लाइट रहे। साइलेन्स की स्थिति द्वारा सेकण्ड में बच्चों को नज़र से निहाल किया। ऐसे फालो फादर करो तो सहज ही बाप समान बन जायेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 2 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

अभी तीव्र पुरुषार्थ का यही लक्ष्य रखो कि मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ, चलते-फिरते फरिश्ता स्वरूप की अनुभूति को बढ़ाओ। डीप साइलेन्स द्वारा अशरीरीपन का अभ्यास करो। सेकण्ड में कोई भी संकल्पों को समाप्त करने में, संस्कार-स्वभाव में डबल लाइट रहो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 3 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

साइलेन्स अर्थात् शान्त स्वरूप आत्मा, जब एकान्त में रहती है तब मन बुद्धि की एकाग्रता का अनुभव होता है, उसी एकाग्रता से विशेष दो शक्तियां प्राप्त होती हैं - एक परखने की और दूसरी निर्णय करने की। यही दो विशेष शक्तियां व्यवहार और परमार्थ दोनों की सर्व समस्याओं को हल कर देती है। इससे सहज ही डबल लाइट फरिश्ता स्थिति बन जाती है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 4 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

फरिश्ता स्थिति का अनुभव करने के लिए किसी भी प्रकार के व्यर्थ और निगेटिव संकल्प, बोल वा कर्म से मुक्त बनो। व्यर्थ वा निगेटिव - यही बोझ सदाकाल के लिए डीप साइलेन्स का अनुभव करने नहीं देता। अब व्यर्थ बोझ से सदा हल्के बन डबल लाइट फरिश्ता बनो।

मधुबन

दिनांक: 5 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

फरिश्ता स्थिति का अनुभव करने के लिए अभी-अभी आवाज में आते, डिस्कस करते, कैसे भी वातावरण में रहते सेकण्ड में सर्व संकल्पों को स्टॉप कर आवाज से परे, न्यारे फरिश्ता स्थिति में टिक जाओ। अभी-अभी कर्मयोगी, अभी-अभी फरिश्ता अर्थात् आवाज से परे अव्यक्ति साइलेन्स की अनुभूति। यही अभ्यास लास्ट पेपर में विजयी बनायेगा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

अव्यक्त इशारे

जैसे ब्रह्मा बाप को चलता-फिरता फरिश्ता, देहभान रहित अनुभव किया। कर्म करते, बातचीत करते, डायरेक्शन देते, उमंग-उत्साह बढ़ाते भी देह से न्यारा, सूक्ष्म प्रकाश रूप की अनुभूति कराई, ऐसे फालो फादर करो। सदा देह-भान से न्यारे रहो, हर एक को न्यारा रूप दिखाई दे, इसको कहा जाता है देह में रहते फरिश्ता स्थिति।

मधुबन

दिनांक: 7 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

हर बात में वृत्ति में, दृष्टि में, कर्म में न्यारापन अनुभव हो, यह बोल रहा है लेकिन न्यारा-न्यारा, प्यारा-प्यारा लगता है। आत्मिक प्यारा। नम्बरवन ब्रह्मा की आत्मा के साथ आप सभी को भी फरिश्ता बन परमधाम में चलना है, तो मन की एकाग्रता पर अटेन्शन दो, ऑर्डर से मन को चलाओ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 8 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

अभी आपकी सारी कारोबार श्रेष्ठ संकल्प द्वारा इशारों से चलनी चाहिए। ऐसे लाइट रूप में रहो जो व्यर्थ संकल्प, व्यर्थ समय समाप्त हो जाए, वही संकल्प उठे जो होना है और जिसको करना है उनकी बुद्धि में भी वही संकल्प उठे कि यही करना है, तब यह साकार वतन सूक्ष्मवतन बनेगा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 9 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

पहले अपनी देह के लगाव को खत्म करो तो सम्बन्ध और पदार्थ से लगाव आपेही खत्म हो जायेगा। फरिश्ता बनने के लिए पहले यह अभ्यास करो कि यह देह सेवा अर्थ है, अमानत है, मैं ट्रस्टी हूँ। फिर देखो फरिश्ता बनना कितना सहज लगता है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 10 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

मेरा तो एक बाबा और मेरा सब कुछ इस एक मेरे में समा जाए। तो एकाग्रता की शक्ति अव्यक्त फरिश्ता स्थिति का सहज अनुभव करायेगी। जहाँ चाहो, जैसे चाहो, जितना समय चाहो उतना समय मन एकाग्र हो जाए, इसको कहा जाता है मन वश में है। इस एकाग्रता अर्थात् एकरस स्वीट साइलेन्स की स्थिति द्वारा सहज ही डबल लाइट फरिश्ता स्वरूप की अनुभूति होती है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 11 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप से प्यार है तो अब ब्रह्मा बाप समान फरिश्ता बनो। सदैव अपना लाइट का फरिश्ता स्वरूप सामने दिखाई दे कि ऐसा बनना है और भविष्य रूप भी दिखाई दे, अब यह छोड़ा और वह लिया। जब ऐसी अनुभूति हो तब समझो कि सम्पूर्णता के समीप हैं।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 12 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

किसी भी कार्य में नवीनता की इनवेन्शन के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। चाहे लौकिक दुनिया की इन्वेन्शन हो, चाहे आध्यात्मिक इन्वेन्शन हो। एकाग्रता अर्थात् एक ही संकल्प में टिक जाना। एक ही लगन में मगन हो जाना। अपनी शान्त स्वरूप स्थिति में स्थित हो जाना, इससे बुद्धि का भटकना सहज ही छूट जायेगा। देह और देह की दुनिया सहज भूल जायेगी और डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव होने लगेगा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 13 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे जब कोई ऐसा दिन होता है तो चलते-फिरते ट्रैफिक को भी रोक कर तीन मिनट साइलेन्स की प्रैक्टिस कराते हैं। चलते हुए सभी कार्यों को स्टॉप कर लेते हैं। ऐसे आप भी कोई कार्य करते हो या बात करते हो तो बीच-बीच में यह संकल्पों की ट्रैफिक को स्टॉप करने का अभ्यास करो। एक मिनट के लिए भी मन के संकल्पों को, चाहे शरीर द्वारा चलते हुए कर्म को बीच में रोक कर अपने फरिश्ते स्वरूप में स्थित हो जाओ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 14 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे साकार रूप में एक ड्रेस चेन्ज कर दूसरी ड्रेस धारण करते हो, ऐसे साकार स्वरूप की स्मृति को छोड़ आकारी फरिश्ता स्वरूप बन जाओ। फरिश्तेपन की ड्रेस सेकेण्ड में धारण कर लो। यह अभ्यास बहुत समय से चाहिए तब अन्त समय में पास हो सकेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 15 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

वरदानी रूप से सेवा करने के लिए पहले स्वयं में शुद्ध संकल्प धारण करो। सारा दिन शुद्ध संकल्पों के सागर में लहराते रहो और जिस समय चाहे शुद्ध संकल्पों के सागर के तले में जाकर साइलेन्स स्वरूप हो जाओ। आपकी यह डीप साइलेन्स स्थिति वायुमण्डल का परिवर्तन कर देगी और आप स्वयं को डबल लाइट फरिश्ता अनुभव करेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन दिनांक: 16 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

अब अपने दिल की शुभ भावनायें अन्य आत्माओं तक पहुंचाओ। साइलेन्स की शक्ति को प्रत्यक्ष करो। हर एक ब्राह्मण बच्चे में यह साइलेन्स की शक्ति है। सिर्फ इस शक्ति को मन से, तन से इमर्ज करो। एक सेकण्ड में मन के संकल्पों को एकाग्र कर लो तब फरिश्ते रूप द्वारा वायुमण्डल में साइलेन्स की शक्ति के प्रकम्पन्न फैल सकेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 17 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे शुरू-शुरू में अभ्यास करते थे - चल रहे हैं लेकिन स्थिति ऐसे जो दूसरे समझते कि यह कोई लाइट जा रही है, उनको शरीर दिखाई नहीं देता था, इसी अभ्यास से हर प्रकार के पेपर में पास हुए। तो अभी जबकि समय बहुत खराब आ रहा है तो डबल लाइट रहने का अभ्यास बढ़ाओ। दूसरों को सदैव आपका लाइट रूप दिखाई दे - यही सेफ्टी है। अन्दर आवे और लाइट का किला देखे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 18 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

सदा यही लक्ष्य याद रहे कि हमें बाप समान बनना है तो जैसे बाप लाइट है वैसे डबल लाइट। औरों को देखते हो तो कमजोर होते हो इसलिए सी फादर, फालो फादर करो। उड़ती कला का श्रेष्ठ साधन सिर्फ एक शब्द है - सब कुछ तेरा। मेरा शब्द बदल तेरा कर दो। तेरा हूँ, तो आत्मा लाइट है और जब सब कुछ तेरा है तो लाइट (हल्के) बन गये।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 19 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे लाइट के कनेक्शन से बड़ी-बड़ी मशीनरी चलती है। आप सभी हर कर्म करते कनेक्शन के आधार से स्वयं भी डबल लाइट बन चलते रहो। जहाँ डबल लाइट की स्थिति है, वहाँ मेहनत और मुश्किल शब्द समाप्त हो जाता है। अपने-पन को समाप्त कर ट्रस्टीपन का भाव और ईश्वरीय सेवा की भावना हो तो डबल लाइट बन जायेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 20 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

कोई भी आपके समीप सम्पर्क में आये तो महसूस करे कि यह रूहानी हैं, अलौकिक हैं। अपने पूर्वजपन की स्मृति से सभी आत्माओं की पालना शान्ति की शक्ति से करो। आपका फर्ज है - अशान्ति के वायुमण्डल में आत्माओं को शान्ति का दान देकर उनमें शान्ति की, सहनशक्ति की हिम्मत भरना। इसके लिए अपनी वृत्ति द्वारा, मन्सा शक्ति द्वारा विशेष सेवा करो। लाइट-हाउस बन सर्व को शान्ति की लाइट दो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 21 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

डबल जिम्मेवारी होते भी डबल लाइट रहो। डबल लाइट रहने से लौकिक जिम्मेवारी कभी थकायेगी नहीं क्योंकि ट्रस्टी हो। ट्रस्टी को क्या थकावट! अपनी गृहस्थी, अपनी प्रवृत्ति समझेंगे तो बोझ है। अपना है ही नहीं तो बोझ किस बात का बिल्कुल न्यारे और प्यारे, बालक सो मालिक।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 22 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

सदा खुशी में झूलने वाले सर्व के विघ्नहर्ता वा सर्व की मुश्किल को सहज करने वाले तब बनेंगे जब संकल्पों में दृढ़ता होगी और स्थिति में डबल लाइट होंगे। मेरा कुछ नहीं, सब कुछ बाप का है। जब बोझ अपने ऊपर रखते हो तब सब प्रकार के विघ्न आते हैं। मेरा नहीं तो निर्विघ्न।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 23 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

सदा अपने को डबल लाइट समझकर सेवा करते चलो। जितना सेवा में हल्कापन होगा उतना सहज उड़ेंगे, उड़ायेंगे। डबल लाइट बन सेवा करना, याद में रहकर सेवा करना, यही सफलता का आधार है। कितना भी आवाज और कितना भी तमोगुणी वातावरण हो लेकिन साइलेन्स की शक्ति से वेस्ट (व्यर्थ) समाप्त होने के कारण बेस्ट (श्रेष्ठ) स्थिति में स्थित होने से सदा रेस्ट (आराम) का अनुभव कर सकेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन दिनांक: 24 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जिम्मेवारी को निभाना यह भी आवश्यक है लेकिन जितनी बड़ी जिम्मेवारी उतना ही डबल लाइट। जिम्मेवारी निभाते हुए जिम्मेवारी के बोझ से न्यारे रहो, इसको कहते हैं बाप का प्यारा। घबराओ नहीं क्या करूँ, बहुत जिम्मेवारी है। यह करुँ वा नहीं यह तो बड़ा मुश्किल है। यह महसूसता अर्थात् बोझ है। डबल लाइट अर्थात् इससे भी न्यारा। कोई भी जिम्मेवारी के कर्म की हलचल का बोझ न हो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 25 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

सदा डबल लाइट स्थिति में रहने वाले निश्चय बुद्धि, निश्चिन्त होंगे। उड़ती कला में रहेंगे। उड़ती कला अर्थात् ऊचे से ऊंची स्थिति। उनके बुद्धि रूपी पाँव धरनी पर नहीं। धरनी अर्थात् देह भान से ऊपर। जो देह भान की धरनी से ऊपर रहते हैं, वह सदा फरिश्ते हैं। उनके सम्पर्क में जो भी आत्मा आयेगी वह थोड़े समय में भी शीतलता व शान्ति की अनुभूति करेगी।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 26 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

अब डबल लाइट बन दिव्य बुद्धि रूपी विमान द्वारा सबसे ऊंची चोटी की स्थिति में स्थित हो विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति लाइट और माइट की शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना के सहयोग की लहर फैलाओ। इस विमान में बापदादा की रिफाइन श्रेष्ठ मत का साधन (पेट्रोल) हो। उसमें जरा भी मन-मत, परमत का किचड़ा न हो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन दिनांक: 27 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

अब हर एक ब्राह्मण ब्रह्मा बाप समान चैतन्य चित्र बनें। लाइट और माइट हाउस की झांकी बनें। संकल्प शक्ति का, साइलेन्स का भाषण तैयार कर कर्मातीत डबल लाइट फरिश्ता स्टेज पर वरदानी मूर्त का पार्ट बजाये, तब सम्पूर्णता समीप आयेगी। उस कर्मातीत स्टेज के आधार पर जिसके प्रति संकल्प करेंगे उसके पास वह संकल्प पहुंच जायेगा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 28 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

करन-करावनहार बाप है, कराने वाला सब कुछ करा रहा है, मैं निमित्त करनहार बन कर रहा हूँ, इस स्मृति से कर्तापन के भान को समाप्त कर न्यारे और प्यारे बनो। सब बोझ बाप के आगे समर्पित कर अपने अनादि स्वरूप की स्मृति से अनादि स्वभाव-संस्कार धारण कर डबल लाइट स्थिति का अनुभव करो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 29 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे साइंस वाले रेत में भी अनाज पैदा कर देते हैं, ऐसे आप साइलेन्स द्वारा धरनी का परिवर्तन करो, इसके लिए शुभ भावना सम्पन्न बनो। ब्रह्मा बाप को फालो करो। साइलेन्स की शक्ति से किसी भी आत्मा की वृत्ति दृष्टि का परिवर्तन कर दो। जैसे क्रोध अज्ञान की शक्ति है, ऐसे ज्ञान की शक्ति शान्ति है, सहनशक्ति है, अभी इन गुणों को अपना संस्कार बना लो तो डबल लाइट फरिश्ता सहज बन जायेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन

दिनांक: 30 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जैसे अन्तरिक्ष यान वाले ऊंचे होने के कारण सारे पृथ्वी के जहाँ के भी चित्र खींचने चाहें खींच सकते हैं, ऐसे साइलेन्स की शक्ति से अन्तर्मुखता की गुफा में बैठकर साइलेन्स की गहरी अनुभूति करो, यह अनुभूति डबल लाइट फरिश्ता बना देगी।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

मधुबन दिनांक: 31 जनवरी, 2024

अव्यक्त इशारे

जितना-जितना आप अन्तर्मुखी स्वीट साइलेन्स स्वरूप में स्थित होते जायेंगे, उतना नयनों की भाषा, भावना की भाषा और संकल्पों की भाषा को सहज समझ सकेंगे, यही भाषा रूहानी योगी जीवन की भाषा है। आपकी साइलेन्स पावर साइंस से भी ऊंची है। जैसे साइंस प्रत्यक्ष प्रूफ दिखाती है, वैसे साइलेन्स पावर का प्रैक्टिकल प्रूफ है आप सबकी डबल लाइट फरिश्ता जीवन। जब इतने सब प्रैक्टिकल प्रूफ दिखाई देंगे तब न चाहते भी सभी की नज़र जायेगी और जय-जयकार का नारा लगेगा।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)